

२२५२

प्रियन्धउषटहं छादिगलसम्बनपयिसयि. धून्परुहायारहमविना
 हिबजवा नाहिगुम्ब विनूदवमिअंधना ॥ ॥ गभवनिनीला
 वज्जुलियाउरुसग पुनूवनराभावाधरसमयानन्दरुलिगल
 मधुलसम्बनवज्जवा नाहि ॥ ॥ नागविराहा ॥ गालमाध
 धनरदधनधनाधनरधनयश्चक्षिणील ॥ ॥ मर्दशब्दधकसमयश्च
 दूनयागसविनवन ॥ ॥ कनूरवज्जधनसमयश्चभालालिककर्व

नागमास्तो २

शुवंस्वामिना.मिषुगश्चरश्चयखात्मवेद्यं समचर्यं निस्सर्वं कल्पनां ल
मूका.कृप्यां रुखां  धियसां शिनसि विनयं सहस्रं सर्वकालं ॥ १ ॥
ॐ नमः श्रीपद्मनाभ
नाग.अंधाहेन वि ४३
नमः श्रीचक्रसम्बनाय ॥ जा ॥ धर्मधनुनि
नरुदयानंदकालिका ॥ काला ॥ जगदालाकलाचन ॥ जा ॥ कमलास
नरु.शशिवर्धनाकलंकमला ॥ काला ॥ सहजानंदकालिका ॥ जा ॥ नि

३

विश्वसत्ता नरु ३

धिलजिनरुदयालादसूदन ॥ काला ॥ नरुगमश्रुकमात्रा ॥ हाकजाता ॥ १ ॥
नाग.अंधाहेन वि ॥ ॥ काला ॥ चस्यमि ॥ विश्वसना नरुविंदविंसा २
मांका नवियापिरु. ॥ ससंरुवा ॥ ॥ नमामि ३ वागिधन.सय
न.मूनिरुदया २ वि ॥ नासयिकूटाग्न नमनाहन.सयन ॥ जिनरुदया
॥ ॥ यीरुनीलानरुगहीरुवयन २ यंचजिनमूकटमसिलयन ॥ ॥ धर्म
चक्रमूडाकुलिहासनाहि २ यधु चापयिया.पहाशुवस्थान ॥ ॥ सूनास

हृत्पद्मिनः श्रीमद्गुरुभ्यो नमः

ननसिखवचनयश्च २ रुनीयवनमादिवज्जिनगुणलयन ॥ ॐ ॥ गच्छति
काय ॥ ॥ नाग ॥ गंधारोत्तवि ॥ गाल मय ॥ हृत्पद्मिनः मूक
किन्नरि मसिशा ॥ ध्वनचननरुगा ॥ ॐ ॥ साहयवज्जसत्त
यममध्वनयनमय ॥ दं ॥ ॐ ॥ गमरांशुनिवरुपीथकं ॥ धाद्वगदह
धन ॥ ॐ ॥ चानिगुमूनरसैचानिगुगुष्कक ॥ कमलशगा ॥ ॐ ॥ नरुका
य ॥ ॐ ॥ ४ ॥ नागरोत्तवि ॥ गाल सनि ॥ अमहिमधुल मरुसमूदा २

ऊनधनऊरुन उदकविन्दचन्द्रा ॥ ॐ ॥ प्रवृत्तभर्तृसिन्धुलायनगयन
२ रुलपलिहासयि ॥ जिनगुननाया ॥ ॥ क ॥ ध्वनिर्द्विदिया
विखयसर्वयका ॥ २ समुद्रगर्गजिनऊकभनका ॥ ॥
पवनद्वयिरादिया ॥ दृढधिवचिया २ रुलयिवज्जानन दहदि
हृदाह ॥ ॥ सुगमरुनिरावयिया नहायिनस्वध २ सुगमवज्जानन
यिया अचिन्नालयवाध ॥ ॐ ॥ ४ ॥ ॐ ॥ नागरोत्तवि ॥ गाल

त्रिभुवनशक्तिरादृक् अकारावसंज्ञा

[illegible]

जलदा ॥ ७ ॥ उंगलपतिकुमानमहाकालकृष्णान्यागीनीगल २
 मयमासमत्स्ययच
 कर्मजानुनादिनिग
 नीधनामजकना
 वर्गजानुविहालवनुस.भधकयादपनुकसेनवा २०० दायनीकुं
 कुमा,कर्काटकनाग.ओलाकुला.नादिरुजलेदा ॥ १ ॥ टवर्गजानुपर्व

मसमने चटकया दयै कपिलसे नवाश्वा नाहिन काय कुंजंग कलंक
 से नवा करु कजल दा ॥ ७ ॥ यवर्ग जात ॥ कवजा गम कनज
 पादय काठ से नवा ॥ ८ ॥ कोमानिन का महाघनागम ॥ अट्टहासा
 पुच सुजल दा ॥ ९ ॥ यवर्ग जात ॥ मारु गृह दि मिऊ पुकारिया
 दय उना न से नवाश्वे पुर्वि ॥ मा ॥ अनंत नागम लक्ष्मि वन रुगासन ॥ पुनक्ष
 जल दा ॥ १० ॥ यवर्ग जात ॥ शून्य गृह वारु ॥ अर्जुन पादय सहान से नवाश्वा

शिर्यतिशनाथ १०

मूडान का कलिक नागम ॥ घाना चकाना वरु कजल दा ॥ ११ ॥ यवर्ग जा
 त ॥ अनंत ॥ न ॥ वरु कया दय ॥ शीष से नवाश्वा महा लक्ष्मी
 ॥ श्वरा शीखया लना ॥ गम ॥ किलिकिलि लावा वर्ष सजल दा ॥ १२ ॥
 ॥ सेल व कालि पादरु ॥ न ॥ दादशन यना ॥ शालिठ चनक्ष ॥ श्वद वद
 न ॥ नमा मिणी हनु कर वरु यरु सी ॥ १३ ॥ ॥ वरु वन नरुप काथ ॥
 नाग का मा ॥ गाल खरु काल ॥ शिर्यतिशनाथ ॥ किय यिन सचि यीग

२ गच्छस्व युवन. २० रुनीहिरिष्टं ॥ १ ॥ आगमदिगर्वध ॥ ॥ अचिकक्षना
 जा. लंघयी भना २
 मयन ॥ ३ ॥ समुनि २
 किं २ ॥ अरुकादशा
 रुकनूता मय २ ॥ समुजदिङ्गु. असिचदुहास ॥ ४ ॥ उंगरु २ ॥ रुद्र ॥
 ॥ ॥ उनगमधियरि. पलायगुसय २ ॥ वजयाहावध. घाटकाकलदी ॥ ५ ॥

सीमननाम. नऊगच्छरुद्रानै २ ॥ समुजदिङ्गु. अरुनीहिरिदाष ॥ ६ ॥ उंगरु
 यय २ ॥ रुद्र ॥ ॥ य
 रुद्रावधनकनदी ॥ १ ॥
 रुद्राभायंगु. नैमीवैरु
 रुद्र ॥ ॥ अरुद्र ३ ॥ युवननाथवक्त्रा व्यामचिर्या २ ॥ स्वर्गधर्मे विधिरि
 श्रीवकनदी ॥ ८ ॥ वृद्धवननाम. अरुकादनाजा २ ॥ दशादिगमिगामान. शाभी

नकनामि ॥ १० ॥ वाक्कुलिचन (स) रुजग धनिया २ ग वनिकुलि ॥ श्रीगी
 रचनिता ॥ ११ ॥ किनधनाय ॥ १२ ॥ नागसेनवि ॥ माल ॥ म
 य ॥ उँ खवजध्वकवह
 लयिभर्ननमहाका
 टय २ सर्वदृष्टन कीलय हं दृष्टाय हने २ उँ वज कीलय वजधन भोला काय
 वाक्चिरु कीलयनि ॥ श्रीवजसत्त्व आनाधिनान भनूरुन सिद्धि प्रसाद

लदे ॥ ॥ पूर्वादिदानकाकाननन रिन्नाजन युक्ति घाननूपा २ च ॥ अगुनी
 वन महाधमना
 दिगदान उल्लकान
 डगकन महाधम
 ॥ ॥ यन्मिदिगदान ॥ नाननन सिद्धिना नू दान नू विकन नूपा २
 आलाकल महाधम ॥ नाननन रिन्नाधियतिगत कीलयनि ॥ ॥ दकि

लीदिगहानः शूकनानननः कनकनिर्ददहा. घघननादि २ कलं करो
 नवमहाश्मशानाना ॥ पुताधियमिगहा. कीलयैति ॥ ॥ दकि
 यवनका (१) देवीज ॥ मजादि. कुरुपीगारा. पुचुनुया २ अट्ट
 हास. महाश्मशाना ॥ नगजाधियमिगहा. कीलयैति ॥ ॥ दिमि
 यवनका (१) यमदुमिन. पीगानननकाठनूया २ लकीवनहतासन. महा
 श्मशानाना. नाकसाधियमिगहा. कीलयैति ॥ ॥ वायूयवनका (१) देवी

यमदुमिन. नकथासनन. कलावदनी २ धानाधकानशीषमहा
 श्मशानाना. वागाधि ॥ यमिगहा. कीलयैति ॥ ॥ श्मशानवन
 का (१) देवीयममर्थ ॥ नीयथासकृष्टा. विकटनूया २ नोडिकलि
 किलावमहाश्मशाना ॥ नसाधियमिगहा. कीलयैति ॥ ॥ उक्ती
 यचकवरि उडुससिगा. मानविघ्नहनुपीनदहा २ वझानविहासिगहा. सयन
 खचनमानगहा. कीलयैति ॥ ॥ सूरजाऊकाठ अग्निनीलसूत्रि. याताल

पुनः पुनः पुनः पुनः

वागिनेमानहर्षी २२४ धी भस्त्रगदसकनागमिदिकैरुचनिमानगदकील
 यंति ॥ ॥ दहदि ^{पक्ष} रुदाहर्षं कानात्रयसामिदशमहाकाध
 न २२ आसायनिपून य. दानयंतिन. मानविष्णुनिनवान्न ॥ ५॥
 ॥ २॥ २॥ ॥ व ^{पुवीनयानरु} ॥ नाग. कामा ॥ गाल. ख
 दंगाल ॥ युगलिगर्हं कानाद्रवमृती. ००० नीलाङ्गसमदहा २ विष्वाङ्गसि
 न २२ कनदी. नलमूकट. काटाधिय ॥ ५॥ नमामिशीयचपुवीनै. रवमि

१०

धूमकनदी २ विष्णुनाथगिगुवनव्यापिग. वदानिधंसनकनदी ॥ ॥ ॥ ॥
 नैगजानूस्मिग. गि ^{गुवनविनै.} सगररुखजदधनै २ वामरु
 र्जनीहृदियाधनै. ^{रुवात्रिगुप्तनवधनकनदी ॥} ॥ नानान
 लाहाननोपुना. कलि ^{मखनारुपिगदहा २ इशकलाल. रीषमव}
 दनै. गिगुवननाया पुचपुवीली ॥ ॥ विनाधियमि. सर्वसयहनदी. पगपि
 ॥ चादि. संगनमनसा २ सननयकादि. वन्दिरुयार्द. सर्वसिद्धिमाक

है कानसिंहा न १३

रुलदं ॥ ॐ ॥ १० ॥ नागरु ॥ अलगात माथ ॥ हं काव सै जाग ॥ ॐ नु नी
 लसमद्रुमिदहा ॥ ॐ ॥ जयं गुभ
 जगननाथ ॥ जगनया
 नवाम जानू ॥ धात्र वदन गिला चना ॥ के कना ऊसर वरु यंकन ॥ अषि
 लविघ्न हं गा ॥ ॥ वक्रुह त्रिहत्र ॥ मय वना ॥ नदयं दहन शुवी ना ॥ ॐ

सुभादिना १८

मानिपीशिरुधनसद्यकिरतविषहंता॥ ॥विविधिनत्नास्तत्रधार
पितृदिव्यतलमौत्री २जगरवांकित्सर्वसम्पत्तिः सिद्धिवन्त
लदायक॥ ॥ ॥ मूलाचार्यनग्नकाये ॥ ॥ रागा
मधुमत्त॥ गालदर्श- माव॥ यमादिनादिदक्षामिसंदरीसनम
नुमधुलसेंसुगलयनाश्वाद्दुष्टयुक्तचउवदनसुखानिगवडवानाहि
कल्पाभिलिंगता॥ ॐ ॥ रुद्ररुद्रदहदिहसूनरासात्रसयनसम्वाधिया

न २००दाभालिंगस. अदयसंतावना चयिदानस्थीसम्बन्धनाया ॥ ॥
 कलिकाय ४ गजचर्म विरक्तकपालखटोरा
 वनमृकटभालंक लिङ्गिये. भालिठचायि व्याद्युचर्मनिवाशन. कृष्णन ॥ ॥ नलशि
 लमाला. लवणीसम्बन्धना. दिव्यचक्रुष्टिदिकनृनहिया २ जन्मजन्ममात्र

१२

सर्वमन्त्र १५

सुंरुपायशक्त. भवन्ति. यत्रमादिवजगीता ॥ ॥ १२ ॥ ॥ गुत्रमशुस
 ॥ गित ॥ ॥ नागसे नकनाजित. पूर्वदि नुरुवन. पंचवर्षीय
 विंध्यहीजित. विंध्यहीरुविंध्यरु. यक्षसूत्रि २ अष्टदीपानला. वह
 निजिनमानसा. रुद्रगुरुयगिमिलयनद्यात्रय ॥ ॥ जातवदनस.

याउपदीयेनाउपदीयेनीजागुधनरुत्तसन्ननाउपदीयेचउविदिगंगुव
 न. वाउपदीयेणीस्व
 धिनयाचिय. सफभ
 सायत्रचका. मलिकु
 नक्षत्रिचत्रसा. रुगनियनिरावना. मनकुसुमउदकयनिसंदूलियुजा२५
 धवयनिरात्रधिसफयनिरुषिता. रुवजलनिधिसंगनसगुरु॥ १३

१३

२५

॥ आदिपूजा ॥ शिसमाधियाय ॥ ॥ नागयुतमऊलि ॥ गालमा ० ॥ भ
 निलभनूलजलजागु
 नजालसेपनिरुदिन
 . शुन्यकनूदा. भालिंग
 दा. सम्वनऊनयिया ॥ ॥ हृदिसम्बीनवीनधन. जहिरुजहिरुगहिरु. अरुध
 धान२भनरुगसर्वदव. वज्रपाऊडादवी. मिनीरुयनसहाव ॥ ॥ शि

१७५

युवनकुम्भकनायारुमाडागिरुवनकुम्भकविनवीनाशुनिगुवनन
वनाटकसंपुडादिन
सगुनवानगुनाग
छुदिलगलरुयमा
कुजागगललिनगगलमयगभनूरुनगथगावकात्रसंगवतननयचि
गिरुविचियकलडीशुभाहूःकात्रवजमगमूदकसफसंगधिनग

98

नमः नमः ॥ ॐ ॥ चंडासनस्य साधिरुलदायकः सर्वजिनव्यापितः सहजक
लरी २ जगत्सुख ॥ ॥ वज्र
पियूष २ रुं कानुमन्त्र
॥ ॥ घटमस्तु तत्र यत्परावेभाकृष्य मधुकिनिजलत्रय २ मृटिनि
साधनस्य दवताचक्रज्ञानसत्त्वमानीय रुंदो जकलही ॥ ॥ पाद्यादि

आचमन दान पूर्य सत्र समय सत्त्व प्रवर्गि विमल कलशं महनागद्वी
 तय वाधिविरुप्य **समय सत्त्वज्ञान सत्त्व प्रकीर्णं ॥ १५**
 ॥ **॥ अग्निस्तु** **॥** **॥ नागनाद ॥ गाल मय ॥ गि**
 निलायन च उवक्क विहाना श्वन ह्युगिह्या मधुलहाम ॥ १५
 महा महामकरिया ह्रूं ह्रूं नहि च उमा नाशनागद्वी माहवधिविचक्रादि
 न ॥ ॥ प्रह्लाध उपाय नवजाशे विशिष्टायाय आचार्य वीथि ॥ १५

॥ ॥ वासदीहन कनधुवात्र पात्र २ कलियवजानन आहोतिदिना ॥ १५
 ॥ कर्धुवात्र नात्र अय **नमस्तु ॥ १६ ॥ ॥ मा**
 कवधुगि निलायन **मकिपूजा ॥ नागनाद ॥ गाल उगि ॥ न**
 ॥ मुक्तदिविवात्र निमहामा मकिदेवी २ जगत्प्रसादि नमयन सनाग ॥ १५
 ॥ भागमवदपूना २ वर्षा २ श्यागधर्मदिक्का गुनू उयद २ ॥ १५ ॥ यकव

नमो
००

इत्थं नृपकमुष्णं सयात्रयागिनी सामहृत्वं गृह्णतु ॥ ॐ ॥ गगनगुप्त
चनत्वा शिल्पंगत ॥ धात्रिया रत्ननीयवाक्वदसुत्त ॥ ॐ ॥ नृपि ॥
॥ ॐ ॥ ११ ॥ ॥ लघिद्रुता ॥ नमः ॥ धूपयाय नृपकाय ॥ ॥ गगनगुप्त
हंकात्रनृपधनृत्तस्वकुविसत्त्वउत्ताधनृत्त ॥
॥ ॐ ॥ गनाहं गनाहं गनाहं गनाहं गनाहं ॥ ॥ हंदाभालिङ्गता. योग
धनृत्तवदय नृमूडाधनृत्त ॥ ॥ धवतसुर्गखटादहधनृत्तसुत्तदसुत्त ॥ ॥

१६

हियचतुमत्त ॥ ॥ मायादहनीताजगुत्तसाहियकनृत्तसत्त्वमहं ॥
॥ १२ ॥ ॥ दशयू ॥ जागीत ॥ ॥ गगनगुप्त ॥ गाल
मा ॥ शिल्पकनृत्तवि ॥ शिल्पिमधुलसाम्भ. मित्रिभानदमृत्तगि
धनृत्तवदयनाहि ॥ शिल्पिगुप्तसम्भना. नानागिम्भिसहाहला
॥ ॐ ॥ गनाहं गनाहं गनाहं गनाहं गनाहं ॥ ॥ नीलवर्णचतुर्वक्त्र
मिसुर्गवदनगुप्तमानेद. मृत्तगिधनृत्तविश्ववदभर्तृचंदजगामृत्तध

ना हा जगत्तस्य सारं भाति ॥ ॥ वज्रघृगजचर्म उमत्र खदीरा ॥
 विनमानंदमूत्रि
 वज्रशिखरा व्या
 गीकाकाश्यादियम
 नमामि शी चक्रसम्भवा समगुत्रचत्रदाभाराधिगा ॥ ॥ १८ ॥ ० ॥
 भाति विद्य ॥ ॥ राग यक्ष माला मय ॥ कालिदेवज्ञानत्रय विराजि ॥

कुंचित्तडावयि जंकारनादत्रयी ॥ कूटत्रया गतिरुवनत्रिधा ययिसयि
 जिनघाति विद्वत्तयै ॥ ॥ ॥ यत्रमानंदमूत्रिध्वनी काकाधि
 यशी मंजुवजा ॥ ॥ ॥ ॥ काकाधियशी मंजुवजा ॥ ॥
 कालिका मलमंजा ॥ ॥ ॥ ग. सहजानंद यवनरत्नग. सतीनगतिरद
 उयमुखवटराजवत्तमकूटध्वनि कूटमीगानन दहिनवास ॥ ॥ ॥ ॥
 गुलायनि वज्रययकासन कूटमात्रा नमूयकालिगा ॥ वज्रखमसत्र दहि

सर्वाकारा ॥२३

नकनध्वनि वामयत्न लचायध्वनि ॥ विचित्रनल शरनराखिनि
सुलीयभनगम् नृनिनृयैश्चानुगुत्रचनराकमलपुष्पादा न
मामियत्रमामिनि लोपदे ॥ २० ॥ **॥ २० ॥ वज्रवात्राहिया**
नय ॥ ॥ त्रागध नाथी ॥ **माला** ॥ सर्वाकारा महासुख
ऊन चरभाननुदहाशुशुवनरुलयि महासुखनाया चन्द्रसूर्यद्वयम
त्रिया ॥ **॥** नयायनिधन पूननिधन शिशुवन कम्बनृयी २ सर्वाविकल्प १८

विधमनीदवी अनूरुनरुनवनदायनी ॥ ^{गा} ॥ अमिरुमधुलवंदयान
थिनिक्लाननमिव नृयध्वनी २ कनमियात्राखवांगध्वनी पुष्पा
ज्ञानवनदहा ॥ **॥** दिग्वनामकूटकनी चकोकुलकणि
ध्वनी २ चक्रमख ना पायनध्वनी गी वनननमिलमाला
॥ **॥** सर्वमथगग ऊननिदवी विनहिररावभरावा २ धीवज यागि
नी चनरा शिल्यगग गवैमिसमनसंवजा ॥ **॥** सद्यपुजा गीन ॥ २१ ॥

॥ नाग. कामा ॥ गाल. खड्गना ॥ हँविऊ सैराव. स्वसमदहा. नवन सं. धार्जि
 शरुन ऊधना ॥ ३ ॥ नमामि
 ॥ चरुन विंश
 चरुन चक्र. प्रतिवृता. दबी सैपूट. पुडालिगस्थिता ॥ ॥ पुडालिगस्थिता
 अलिकालि. पदाकागा अरि सैदना ॥ दबा दबी ॥ कसा वा. नमामि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

श्रीचक्रसम्बन्धः ॥ सनगुनचक्रः ॥ शिल्पगार्थः ॥ रत्नयिगीतः ॥ श्री
 कलिम्भदानयः ॥ मित्रमनाहर्षः ॥ सद्यमधुलभानाधिताः ॥
 ॥ २२१ ॥ ॥ वागः ॥ गः ॥ मात्रः ॥ श्री
 ॥ गालः ॥ माधः ॥ दि ॥ शुक्रः ॥ कः ॥ मुखः ॥ नः ॥ वः ॥ शिः ॥ नः ॥ गुः ॥ २ ॥ मूः ॥ कः
 ॥ दिगं वः ॥ ॥ गः ॥ नाः ॥ हुं ॥ हुं ॥ हुं ॥ हुं ॥ हुं ॥ हुं ॥ हुं ॥ हुं ॥ ॥ वाः ॥ मः ॥ कः
 नाटकः ॥ दहिः ॥ नः ॥ कः ॥ नः ॥ मिः ॥ २ ॥ हाः ॥ उः ॥ भाः ॥ रुः ॥ नः ॥ दः ॥ मूः ॥ ॥ शिः ॥ ताः ॥ ॥ ॥ सूर्यः ॥ मः ॥ धुलः

श्रीसायि॥२६

[illegible]

20

सर्वव्यापकः

जन.पनयायि.इदूवडनयायि॥ ॥चउसमकमुत्रिसिद्धा.कर्यूनला
 डानयायि२मलय
 यि॥ ॥पुषूनरु
 भंगचदावयिया.
 ॥शिलाहृति॥ ॥नाग.गलोवनि॥गालमाथ॥सर्ववृद्धविबृद्धमहि
 ता.विश्वमानकूदनी२वडडागीनीवजमहिता.कानधना.शिलाच

नी॥ ॐ ॥ नमामिवाचुलि सिद्धि यागिनी गद्यमल्लिना २ अक्षयि सिद्धि
 र्वसिद्धि यागिनी गद्यमल्लिना ॥ ॥ आदिरुपम सुलभ ऊस
 नसदीपनालक्षुवि चना २ चक्रिकुल कलिला चक्रमख
 लाविरुषिता ॥ ॥ ॥ कनकविषयनमान रुदनी मूकट कशीदि
 गवना २ मृगुमाला खडांग मल्लिनालक्षुजिह्वा रायकना ॥ ॥ रुद्रदे
 २ कृभनका सयन विष्णु विद्यापिता २ रुद्रचन हानिल्य धनी अवधूव

२१

राजा नरेश ॥ २२

कर्षया गवयीया ॥ २३ ॥ ॥ मूलाचार्यनरेश ॥ यंचर ॥ लि ॥
 ॥ ॥ नाग अहति ॥ ॥ गाल माथ ॥ राजारुन हानि कियारि न
 सम्वन धनयिक वाचुनि नवरा २ रुद्रवाने नर मल्लिना
 मूला नमूकट कशी दिगवना ॥ ॐ ॥ ननन मानु सम्वनना
 या समन सदील मानु काला २ रुद्रम विनाहिनी वज्रवा नाहि रुद्रम
 हि मानु क्षा ना ॥ ॥ गालि रायन वन सह मयन कर्पू नरुव २ रुद्र

उदिगा ॥ २५

वात्रा २ गगधनीलवर्ण वल्लिलज्जा मन्मथुलरवनीध ॥ ॥ गिय
 ॥ उखटहं कृदिग ॥ लसम्वन यथोसयिहं नृरादात्रा २ हस
 वित्राहिनी वज्रवा ॥ नाही शुभ विनूद घमि भैधात्रा ॥ ॥
 ॥ गभविल्लीलावज ॥ कलियाउत्र सगुत्रचननआत्रा ॥ ध२
 समयानन्द रुक्ति गत्रमधुल सस्यत्र वज्रवात्राहि ॥ ॥ २६ ॥ ॥ ॥
 ॥ नागविता ॥ ॥ काल मा ॥ ॥ उदिगा रनयिया यवनधूना २ वत्रसहदा

२२

विविहिवि ॥ ३०

मककाशालकृता ॥ ॥ ध्रु ॥ घात्रइष्टानसर्वनि संतललिता २ अखयनि
 नैजन मा ऊकृता ॥ ॥ ॥ दिनकलमधुलमध्यगता २ क
 नृधमिगत्रसवस ॥ कृता ॥ ॥ दग्धजालिताय पतिनिह
 गा २ देवासूननत्र ॥ शिलनमिता ॥ ॥ गभविलियवनपति
 गुनूगता २ वज्रवात्राहि हुंज मित्रनमिता ॥ ॥ २७ ॥ ॥ ॥
 ॥ नाग गध २ वि ॥ ॥ काल मप ॥ ॥ विविहिविहनेत्र मात्र विशशिव

दन२दवा सूननरुवनह रुकनृध ॥ ॐ ॥ नाचेननमामि. श्रीसम्ब
 नवीना२वजयागी ॥ नीनमिन्. सहसुर्गमात्रा ॥ ॐ ॥ वजवात्रा
 हि. अलिगशक ॥ २ रुगिर्सेवित्रैवीरन्धन. सम्यनमगुल
 ॥ ॐ ॥ गमकदहन ॥ विवर्मासु राऊर २ कनृधालायनची
 यमदाव ॥ ॐ ॥ दादशरुज धनिया. चाविचउबदन२नीलसैहाव.
 . गगदाऊंलीना ॥ ॐ ॥ १७०००० ॥ १८॥ ॥ नाग. गन्धरुत्रविनाताल. १३

॥ मय ॥ शिदलयप्रगुष्ममगुल. महासुखऊत्र १२ दवीवजविनामिनी
 . गत्वज्ञानचक्र ॥ ॐ ॥ पिपयित्रमहात्रस. गमकदहन२
 स्वर्गमाऊ मागर्ज. स ॥ त्वउधरधार्थ ॥ ॥ वजवालोहि. आ
 लिगश. गग. दा २ रु ॥ रुवन. दवा सूननरुदवी ॥ ॥ यऊपू
 ऊगुआतिषक. अनरु. रुकिया २ सत्वनरचिरु. रुगु. कियासम
 चय ॥ ॥ गुनृपुशादन. दूर्धितिनामर्न २ रुन०० कूलदरु. आ

अथ वा कुलि ॥ ३२

चार्यचरित्रा ॥ ॐ ॥ २२ ॥ ॥ नाग. यचम ॥ गाल. शिङ्गना ॥
॥ अथ वा कुलि. रु. नूवघनयिश् सयन सूनासून. जगत् ३
धनी ॥ ५५ ॥ न. रग वरियादक मलमोहि मञ्जु लनोयन
ही मूर्ध्नीकाना २५ ही दैतमत्र. आशत्रय विरूपित. मखत्रय
५५ उलोत्ता २५ निनिनिनिनयिनि. निनिनयना ॥ ॥ कनगिख
स्यन. गीथनूडननसिलमाला ॥ २५ कृष्णखदीगवन. मूकटक ५५ ॥

२४

अथ निनिनिहिरुगा न ॥ ३३

॥ ॥ शिप्रशिर्मिद्वना. ग. कजलसूत्रा २५ क सुत्रिकर्यत्रगा. म्वत्रस
खसात्रा ॥ ॥ रन यिसूनरज. वा कुलिदासा २५ वज्रदेवी
यसाद. छीहत्रवया यान ॥ ॐ ॥ ३० ॥ ॥ नाग. कासा ५५
॥ गाल. खदीगाल ॥ ॥ अवनिनिहिरुगानूनी. नासमदहा २
ककत्रगिनयन. तिषमवदना ॥ ५५ ॥ गनाहैहै. गनाहैहै २५ हैहैहैहैहै.
जान. अचल. कादनाया ॥ ॥ निविदिनयनदृति. ५५ निनम ५५ ॥

अवनिनिहिनगमजान् ॥ ३४

याशखमधुनिगिरुवननाथ ॥ ॥ हरिहरवस्त्राच्छुचउमात्रा ॥ २॥
नविघ्नघ्निकेभगुरु ॥ यहनदी ॥ ॥ विविधितेन मोलितेन
कनदहा ॥ २॥ गगनवा ॥ चित्त वनरुलदायकं ॥ ॥ ३१ ॥
॥ ॥ नाग कामो ॥ ॥ नाग खद्वेगमय ॥ अवनिनिहिनगवाम
जान् खज्जिकित्तमालसंशसा ॥ २॥ नागदयसाह वन्धिनया नि
रुवननाया अचलवीना ॥ ॥ नमामिष्टीचमुमहाखवधा जात

२५

मरुतयकुटिला ॥ विन्धनाथविन्धव्यापिताविर्विक्रममहाका
धनाया ॥ ॥ अ ॥ नितीषध उर्ध्वचक्षुः दृष्टाकयाया वि
द्वीनिकिचध ॥ २॥ यी ॥ शिमेअधनाककलनयना वैविसज
॥ ॥ नावहसवधा ॥ ॥ ॥ साधवमाया पुनचवव मा नौद
विष्मचारिसाननमसा ॥ समवसमाया नागविमाहा हानलाया समा
हिनदहा ॥ ॥ वल्लारवधा यकलितमोवि कयचनोअंयुचन

धीमूँ धीका वा २ सवस न नाग. वीदिग च व द्वा. नायस वासुव अच
 लवीना ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ वाग वसंत नाव दूरी मी
 ॥ अतसि कसुमद मि. दहयुता ह्वना २ विविधिवत्तम
 सि. मूकट विरुषि ता ॥ ॥ ना चें वही अचल विवा २
 मना चें उआन द विनासयि अचला ॥ ॥ व्याम उद्व विद मूडा
 दर्शना २ पुष्टा आलिंग ध अदय महासूहे ॥ ॥ विवाग चंदु

२६

धूमि. रुवस्यं क वा २ रस्य निहृ. ख मृग र्ज निपा ॥ ॥ मा न
 चरुदर्य ध निववि प्रहृता २ वविश हिशु गन रग ग ध वि
 वासयि अचला ॥ ॥ ३३ ॥ ० ॥ वाग. माला ॥ ना
 न. माथ ॥ निजै रुव अवधुव. हवडा नाया २ धी हृग मन
 यागिनी पायिस ॥ ॥ आन द्या दिवा. चुलि. आनै दा दिदा वी २
 यनिना च गि हवव. मन सास पूरु ॥ ॥ पूरु सीरु हिरु य निज

निजै रुवा ॥ ३६

वैकुण्ठसुख ॥ ३८

मकुन्दव्रीणाश्नययनाबीमाभ्य उरयनउवीया ॥ ॥ ३५ ॥

॥ नाग गवदयी ॥ ॥ नाग गवदयी ॥ चक्रिकुलकठिनाचक्र
 मखलरूपिना, गि वन्दनमसिलमा, लाश्रीलेचक्रिक
 लेया, रुसविहृषि न, गगधकर्माति, वैधुविवाया ॥ ॥ ३६ ॥
 यरुसहीहनुवम, मायूकाला, रुगनाथ, श्रीसम्बन्धनाया ॥ ॥ ३७ ॥
 ॥ वज्र कवाटकहा, पधलिया, कश्चिकिया उखदांग ॥ ॥ ३८ ॥

२८

गिनीकमल, विहासिगव, महासखमबीयहाद ॥ ॥ वज्रवा
 नाहि, आलिंगध, सैवच, नाचयिबहुविहचरंग ॥ ॥ ३९ ॥
 चुलिकालिनेया, कीर्तिहनुशमधरवन, सूचधससै
 ग ॥ ॥ सहजसं वृत्तिनेया, गभविकर्षयाहीहनुवचव
 धपुशमदश्युहाणा, किर्तिहनुव, विनासयिहून्यकचुहा
 ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ सीहवगीत ॥ ॥ ॥ नागशेवव ॥ ॥

५३॥

नालमाथ॥ ऊर्यंऊर्यंवाचुलि. सयवसूताखलि २ अखयदृ४ ख
 सैहाविही॥ ॐ ॥ ॥ नदीमूदीअनेहा. हैकाबनोचीय. मा
 वनिनवावृव॥ ॥ ॥ जिमयवमानिन. दहापूवव ३ जि
 नऊननिल. वडु थागिनि॥ ॥ ऊर्यंऊर्यहाशरव
 धसू॥ ता२कबानिकयात्र. खद्दीगध्वनी॥ ॥ ऊर्यंऊर्यबोद
 म्भ॥ नीरुवशीव्यवृदनवजिलमाला॥ ॥ ॥ ऊर्यंऊर्यबाख

३२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४० ॥

[illegible]

वावाहि. अलिगधकावा ॥ ॥ उथरुवा ऊकचूदाकवावि २
 ऊयेऊये. अलि ॥ गधनीलवर्णवावि ॥ ॥ २४ ॥
 ॥ ॥ अर्थनवस मूडाभायधन्य ॥ ॥ वाग. ललित ॥
 काल. मय. स्वद हीहाय. नरुचूदाकिंयागिलवासाना
 रिताय. वाऊयहावा ॥ ॥ हाउमाव आरुवधकिमिति. रुकसनाय
 नयावधसिचमूनियहावा ॥ ॥ ॥ देवीकंरुलिर्यकिमिति

रुंऊनाकसाचिना २ दहिनि अलिहमाहाधचसिधिबीवा. त्रिनिन
 यन. अलिगववा ॥ ॥ ॥ निचसुवतमहुलमाभ्य. वशाधि
 नगाया अगुधध वसिनवकयाला २ कचरिकयालख
 दौगमगहावा. पक सिऊतामूकूटकंशकविया ॥ ॥ यक
 तथगक. दहसिचउदेवीकहशीथदवी. पाचनीऊये २ ऊगरमावूध
 सनंसयनऊगतायसिसमापीअपकारियं ॥ ॥ ॥ तवद४खरुत

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मविनयसूत्रवज्रकल्पज्ञानद्वी. गुण्युषा॥ द२ अचियचियचि
कुटिस्यजहनाथि । जननितावअलावं॥ ॥३८॥
॥ गद्यचक्रगी । न॥ ॥ वाग. लेनीवि॥ माल. चकताल
॥ लास्वनघउमरु . वज्रचिरुन. धर्मादयापालितृमिव
१ कुर्यात्तवमनाहन. मधुलवज्रधातुहिया कमलवन् ॥ ५९ ॥ दड
तावंगुबहिया. हृदय कमलहियचक्रं शशि सिद्धि कन. विष्णुवि

39

नाशनहायिमहामुद्रासिधिन॥ ॥आदिबुद्धहियागमध
यमशुलविनास॥ यिखहदाचक्रवै२नीवनीलवर्णमि
यगनश्रीमन्नुध॥ रुयचिरुमिन॥ ॥एसादिब०दह
दिहवग्निबुद्धव॥ दिज्ञानरुगनउधचल२सयचवृद्ध
हियाधकक्रिययानिऊविजयापचिरुमिन॥ ॥एबुडपदल
सिमयियूगल०माकूचिरुविरुगव२सतगुचन०ध०मिलग

तधचिया. रत्नयिसूचतवज्जतत्वच॥

॥ ४०॥ ॥ सति क

रु. आचि. वज्रामा

यका॥ ॥ गनचक्रगीत॥ ॥ वाग

रत्नोवा॥ माल

कमाल॥ गङ्गाजिन उद्धृताथ धवीया. क

मलकूलिग. अष्ट

यवाचिश्च समूकवर्तिकु. भ. वरिभूला.

वामस्वदीगकपालधवा॥ ॥ ॥ श्रीसम्बन्धवाया. वाचुलिरुक्केश

विष्णुश्चायिभ. चायिथियो. मायासासूरुवरुमूडासिद्धि

३२

३२

॥ ॥ पागवक्कमूडवामहाथधचिया. रत्नवर्जितमाला २ नील

हविरत्नोहित. क

वतकारवचमूख. अतिविक्रमाय

धमा॥ ॥ अलि

धयथासेववचायिथियो. काविमति

विम्बमूडाशिवि

कूलिग. अष्टचन्द्रकटायक व्यायुचर्म

षट्मूडा॥ ॥ चूनि

सैविमोवमंध्यमाधायकविनिचक्रमहावि

वीविवाश्चकनूराङ्गिभ. विवीवमंध्यम. रुंजयि. सयावसैसा

सितजलजु चंद्रसमव्यापिता॥ ॥खड्गयागभवत्साधि
 बचकवतिभनूमशुलरुमतलिनाशनिर्मलरुदयाचक्रध्व
 पितअहिनीसिकुचवदंगसमयसाधना॥ ॥आनंद
 यनमानंदविवमासहजचक्रानंदऊसरुवाश्यवमाविव
 मामामनच्छादिबमहासूखसूगतसैयदवव्यापिता॥ ॥
 ॥हवजकालचक्रशीचक्रसैववअननकाटिसिद्धायावंगगा२

३४

निर्मलगायन३५

श्रीहरशदियानपूर्वगितिकावैधवीपुरुमहासूखजानह
 ॥४३॥ ॥बागवदुदिनाल
 मय॥निर्मलगायन
 यनसमयसूख॥ ॥यनसुसाहितअगशक्तिमूहिल
 ॥४॥ ॥लावीयवशीयागभववि
 वाश्यागिनीजालकचलीनाचयी॥ ॥आकिनीमशुलचक्र
 रुलयियाशमशुलका॥५॥ पूजकवीयया॥ ॥वडिधामि

34

ननाथः दहिमया (१॥) ॐ गणेशाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नमामि २५१। वज्रजगिनि॥
१४८

हावसै महासूखक वयिया श्वरुद्वीरुलया. भनूक यशान
॥ ॥ उरुनायि ॥ गिदलक मलसैया ॥ गश्टहि विवास
यि यवनरुदयि ॥ ॥ ॥ रुजयि वयै च महासूखक वयि
या श्वै च शिवस ॥ विजुवा वृषी ॥ ॥ सगु वृचध ॥
साद चरु र्थातिरवक श्वान स्वो वीस सायस मूडा ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ४ ६ ॥ ॥ नाग मालिनी ॥ गाल माथ ॥ नमा मिश्री व

ऊयागिनी २१ बूथी मधुलमा २२ पुआलितदहा ॥ ५३ ॥ नोमिणी
 वऊयागिनी लाहि ॥ गवर्द्धरा २ भनूक बवाधि पदायनी
 दवी ॥ ॥ गिरुव ॥ नव्यापिरु दहिनक बतिध्वनी २ सह
 जानैदव्यूथी दवी ॥ ॥ कूटीगम वमनाहम मधुलाश्वा
 मखर्येन कतुखेदी गधावि ॥ ॥ वकधर्मादया चाययितान्द
 वश्यधमा मिवा चलि गुच्छव्यवी ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥

उदगिनि ॥ ५०

भाग नाट ॥ गाल ऊनि ॥ उदगिनि तल गानि सँका सा ॥ कुलिस
क बाट क धा विग ॥ दवी ॥ ॥ म कट क ग वि नि त्रा च नी
दवी ॥ शुक्र दवी रा ॥ स्व वि धा ध नी दवी ॥ ॥ आला
लिक च क उ दया ल ॥ स्थिति ॥ म न्यु द कि हा दिन बाणी ॥
॥ उग र द व चि त प वि यु वि ना ॥ शुक्र दवी मा दि र वि धा ध नी द
वी ॥ ॥ रु गु नि न र द न ऊ नि स धि स्थि ॥ रु न वि धि उ द का र व ॥ ३१

न. सूर क य का ॥ ॥ सँहा न ना ॥ शिष्ट स क य ना ॥ शुक्र दवी गु क
या दि धा ध नी दवी ॥ ॥ ॥ स्व र्ग म ध्य पा ना ल वि रु व न च
रु ॥ शुक्र दवी न ॥ स सर्व द व द ह ॥ ॥ त्व ऊ नि उ द या
म व द व न द ह ॥ ॥ शुक्र दवी रा स न वि धा ध नि द वी ॥
॥ ॥ न स्मि य च व ॥ कु लि ना क ना ॥ न र्श नि मि न स र्व स त्व न द ह ॥
॥ ॥ स्व न स्मि न नि क न स र्व स त्व न द ह ॥ शुक्र दवी दि वा क न

[illegible]

वज्रमयसुमिः ॥ ५४
पुमादिगवे ॥

स्वभाय ॥ किं न दृष्ट्वा याचचाकृष्ट ॥ ॥ लुमिधधनगिन
॥ ॥ वागमध्व ॥ मर ॥ गाल दूर्जमान ॥ वज्रमयसुमि
॥ धियमगुलम ॥ नीवडीरुव वज्रवध्रुं ॥ सफनसा
ननरुमिनिवास ॥ य. मानसय नसंगासक वसी ॥ भ्रु ॥
॥ सीरुनी ॥ रुरुट. गुरु गुरु रुरुट. गुरु पय गुरु पय रुरुट ॥ ॥
नयहारुगवन् विद्याभाऊ रुरुट रवदय ॥ ॥ भ्रिखदय ॥ ॥

४०

॥ हनकभाजियचिरु ॥ उरियवज्रयाकाचूरुवरु ॥ ॥ अष्टदिगमा
नय. वायनव. स ॥ वविष्टकनखंदध ॥ ॥ गगधनि
नार्वधकुलिशानि ॥ वासय. वज्रविना. नरुंखंरुं ॥ ॥ वज्रयंज
लरुंजलिगागिव ॥ जसवजालगसैगं ॥ ॥ किउ
निमगुलवायविबध्वनसर्वसत्त्वहियायमादकन ॥ ॥ सगगुव
भासाशिवगगधविद्या. रुनयिलिलोवज्ररुमिधधन ॥ ॥ ॥ ॥

स्थापिता॥ ॐ ॥ हूं हूं कबहुवजाचार्यमनुविद्यासितकर्मवडी
 सहिता. यज्ञास्व नृपिनी २ वज्रशिष्यातिमगपनिप
 र्णुहृष्टा. रुवस मृदुतनस. तिमिलहृनधा॥ ॥
 पूर्वदलगत. पक्ष सुगुसनजिता. पक्षविसति. रुदिग
 वृद्धकार्ये २ दक्षिणदलगत वज्रखसमश्चनूप. शिशुवनसमन
 सपायविशुद्धि॥ ॥ यश्चिमदलगत. र्णुखहाधित. धवनव

४२

र्णुसिधिवसराजिता २ उरुनदलगत. यश्च घाघधादिता. स्नानस्वन
 पिनी. विश्वजननी ॥ ॥ अग्न्यादिदलगत. हृदयपीता
 नृष्टा. नकश्चामव र्णुनजथापियाव २ पूष्यविन्यासितवि
 धमयपूजिता. पुन मामि. वज्रसत्त्वसिन्धुसाधिता॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥ ॥ मधुलाधिवारा॥ गीत. पिचक॥ २१॥ गुनमधुल॥
 गीत. मध्वमव॥ ॥ ॥ समाधि. गीत. अनील॥ १६॥ कलशपूजा. गी

अष्टादशः गीतः कथं

रुभनरुन॥ ११॥ मामाकियूजा॥ गीताचकवर्ण॥ १२॥ दवस्कधूप
याय॥ गीत॥ नमः
हिय॥ गीत॥ गिहं
॥ ४१॥ धूमिकि वध
॥ ॥ नदिनमस्काव॥ ३॥ बाग॥ माला॥ ४॥ विश्वसबाबूह॥ ५॥
॥ समाधियाय॥ गीत॥ अनिल॥ १६॥ कलशयूजा॥ गीत॥ अनूरुच॥ १७॥

४३

॥ मामाकियूजा॥ गीत॥ चकवर्ण॥ १२॥ धूपगीत॥ नमः ४१॥ २०॥ दव
चचा॥ बाहिच॥ गी
राखव॥ ४१॥ ॥
दुवियकूअरुयं
माला॥ ४॥ विश्वसबाबूह॥ ५॥ जिसमाधिगीत॥ अनिलः॥ १६
॥ कलशयूजा॥ गीत॥ अनूरुच॥ १७॥ मामाकियूजा॥ चकवर्ण॥

सहजसना नूर ॥ ५८

२सगुचवधकमल. प्रसाद. अनूरु वसिष्ठियटमा कदलदं ॥ ८७० ॥
॥ ५४ ॥ ॥ ॥
॥ २० ॥ गुष्कारिष
॥ सहजसना नूर
सा ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ जयि महा नसगुष्कारिषक २कमलकूलिनी. सजाग स
रुवा ॥ ॐ ॥ उकाठाषधादिबुधियायवभा २पानविचूसमहासूखदा

४५

वामादोहि ॥ ५९

ता ॥ ॐ ॥ हानन नूरुपिनीदवी. विम्बव्यापिनी २की ॐ तिसनधा. म
हासूखदा ता ॥
दहिममाता. स
॥ ॥ सहज
ल. माथ ॥ वामादोहि. २दयि घनधी २मा म्बविनासयि. महासू
खकदूरया ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ जयि नऊयिया. सहजानद २सय नविना

॥ ॐ ॥ गुनयसादा. अनूरु नकपा २
सानसमूदा ॥ ८७० ॥ ॥ ५५ ॥

नसगीरु ॥ ॥ नाग. मालयी ॥ ता

सयि. उपविशव ॥

यवाक्किरुचकूक

लयिया २ आवयि

गुन्. यायपुष्पाद

॥ ॥ ॐ ॥ ॥ ॥

मृदाखन ॥ गीत ॥ धनधन ॥ शून्य ॥

॥ गयनमयन. चिरुविनाशयिया २ का

विया ॥

॥ उक्कधवयि. आरुय

व. यातगर्भाधवि ॥

॥ यावयिव

२ रुनयिवाकवज. शून्यसमाधि ॥

॥ मृदायूजा ॥ गीत. हाउरुवध ॥ १ ॥

॥ विवचर्या ॥ सगीत ॥ च

४३

कशान ॥ ३०

सकवज ॥ ३१

किक्कुल ॥ यवसन. लकाय ॥

ल. रुमि ॥ कशनन

निर्वजन. सयाव

मान २ ॥ नागनार

ववीना २ अनूपकमकवृध. कविता. सूखचिरा ॥

मयिताव २ खद्विगिदमन्. गी. यनवसिबमाला ॥

॥ सद्ययूजा ॥ गीत ॥ नागनार ॥ ता

पलाकध्वन. कशनन. नूपवृद्ध २ अखय

विशुद्ध ॥ ॐ ॥ नाचे. अशध्वकानक

॥ ताल. रुमि ॥ सकवज. गरगुबुसम्ब

॥ ॥ सम्बन २ कून्

॥ ॥ नाचे अ ॥ १

द३ धि१

॥ विविवि कल्य विनाम नवूर्ध॥ सम्वव॥ अंकल हस्यनिबंज
न. अंकल विहस्य
नाचै अं विवावा
विमल विष्ठा॥
१ अत्र भूर्वकाङ्ग गति. सहस्रनडा॥ नाचै अ॥ ॥ सकल विष्ठा हंति
मरियति वृक्ष १ मरियति स्वर्ग विवाहन वृद्धा॥ सम्वव॥ हलह॥

आर्य समाज

SHR. ARCHIVES

2842

४१